बैंकिंग क्षेत्र में रोज़गार के अवसर

शिशिर कुमार चौरसिया

यदि आप गणित और अंग्रेजी में प्रवीण हैं और बैंकिंग क्षेत्र को अपना व्यवसाय बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए यह समय उचित है. भारत में अधिकतर सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक वर्तमान में भर्ती कर रहे हैं या निकट भविष्य में भर्ती की योजना बना रहे हैं. विभिन्न बैंक अपनी शाखाओं और एटीएम नेटवर्क का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्हें प्रशिक्षित मानव संसाधनों की व्यापक आवश्यकता है.

पिछले कुछ दशकों में बैंकिंग क्षेत्र में मूलभूत परिवर्तन आए हैं. हेमामालिनी वेंकटरमन का मामला एक दिलचस्प उदाहरण है. 1980 के दशक में एक औसत भारतीय कस्बे के प्रसिद्ध कॉलेज से स्वर्ण पदक के साथ स्नातक योग्यता उत्तीर्ण करने के बाद, जब उनसे मीडिया ने यह पूछा कि वे आईएएस अधिकारी बनना चाहेंगी या किसी अन्य क्षेत्र में जाना चाहेंगी. उनका कहना था कि वे किसी बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी (पीओ) बनना पसंद करेंगी. उसके माता-पिता, स्कूल शिक्षक और मीडिया को उनके जवाब से हैरानी हुई कि एक प्रतिभाशाली लड़की आईएएस परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रयास करने की बजाय बैंक में अधिकारी बनना चाहती है. उस समय ऐसी प्रतिक्रियाएं स्वाभाविक थीं, क्योंकि उन दिनों सिविल सेवाओं में करीब 1000 रिक्तियां प्रतिवर्ष निकलती थीं जबकि बैंकों में मात्र 40 से 80 के बीच रिक्तियां होती थीं. यदि कोई बैंक 100 से अधिक रिक्तियां विज्ञापित करता था, तो यह एक बड़ी खबर बनती थी. परंतु, आज स्थितियां बदल गई हैं और बड़ी संख्या में रिक्तियां विज्ञापित की जा रही हैं. बैंकिंग क्षेत्र को व्यवसाय का विकल्प बनाने वालों के लिए यह समय वास्तव में उपयुक्त है.

बढ़ते अवसर

विजया बैंक के सेवानिवृत्त सहायक महा-प्रबंधक ए.पी. सिंह के अनुसार बैंकिंग क्षेत्र के विस्तार का स्वरूप इस तरह का है कि नई शाखाएं गांवों में खोली जा रही हैं और प्रशिक्षित कार्मिक समय की मांग हैं. उनका यह भी कहना है कि लगभग सभी शहरों में उप-नगरीय क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है और नई कालोनियां तीव्र गति से बढ़ रही हैं. किसी भी नई कालोनी के अस्तित्व में आते ही बैंक शाखा की भी तत्काल आवश्यकता पड़ती है. एक बार यदि कोई बैंक अपनी शाखा किसी नई कालोनी में खोलने का निर्णय करता है, तो अन्य बैंक उसका अनुसरण करते हैं. श्री सिंह बैंकों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के स्वरूप में बदलाव भी महसूस करते हैं.

उनके अनुसार, अतीत में सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक धन जमा करने और धन सम्प्रेषित करने तथा ऋणों और अग्रिमों जैसी सेवाएं प्रदान करते थे. परंतु, आज बैंक बीमा पालिसियां भी बेच रहे हैं और वित्तीय क्षेत्र में अन्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं जैसे म्युचुअल फंड्स और कार्यनीतिक निवेश योजनाएं. इसके साथ ही सेवाओं का दायरा बढ़ गया है और तदनुरूप रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं.

भर्ती परिदृश्य

केनरा बैंक के सचिव हसमुख आदिल्य के अनुसार इस वर्ष होने वाली भर्ती पिछले वर्ष की तुलना में कम नहीं होगी. तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में लेक्चरर डॉ. उपेन्द्र साह बैंकिंग क्षेत्र में संभावित भर्ती का भिन्न तरीके से विश्लेषण करते हैं. उनके अनुसार हर वर्ष सभी पुराने सरकारी बैंकों में हजारों अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. स्टेट बैंक जैसे बड़े संस्थानों में यह संख्या बहुत अधिक है. स्वाभाविक है कि

(शेष पृष्ठ 56 पर)

बैंकिंग क्षेत्र में...

(पृष्ठ 1 का शेष)

ये रिक्तियां जल्द ही भरी जाएंगी ताकि संगठन की सुचारू कार्य प्रणाली सुनिश्चित की जा सके. इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र के बैंक भी सरकारी बैंकों की तरह ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में नई शाखाएं खोल रहे हैं और जोरदार ढंग से अपने व्यापार का विस्तार करना चाहते हैं. हालांकि नई शाखाओं में कर्मचारियों और अधिकारियों की संख्या कम होती है, फिर भी कम से कम 5 से 6 व्यक्ति भर्ती किए जाते हैं. इसके अतिरिक्त इस वर्ष कई नए बैंकों को लाइसेंस प्रदान करने की भी योजना है. सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईडीएफसी और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बंधन को बैंक खोलने के लाइसेंस प्राप्त होने की बात कही जा रही है. बंधन ने घोषणा की है कि वह अगले महीने से बैंक प्रचालन औपचारिक रूप में शुरू कर देगा. गैर-आधिकारिक अनुमानों के अनुसार इस वर्ष बैंकिंग क्षेत्र में 60 से 80 हजार रिक्तियां होंगी और तदनुसार भर्तियां की जाएंगी.

भारतीय बैंकिंग प्रणाली

डॉ. उपेंद्र साह के अनुसार भारतीय बैंकिंग प्रणाली अत्यंत सुदृढ़ है और वह पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण रखती है. इस प्रणाली की ताकत का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि कुछ वर्ष पहले जब विश्व की अर्थव्यवस्था मंदी के खतरे से गुजर रही थी, तो भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा. इसके पीछे बैंकिंग प्रणाली की ताकत काम कर रही थी. स्वतंत्रता के बाद बैंकों के नियमन की कहानी उस समय शुरू हुई जब 1949 में बैंकिंग नियमन अधिनियम अधिनियमित किया गया. उस समय बैंकिंग प्रणाली पूरी तरह प्राइवेट थी और उसमें अनेक खामियां महसूस की जा रही थीं. बाद में 1969 में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया. इसके 11 वर्ष बाद 1980 में 6 और बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ. इनमें न्यू बैंक ऑफ इंडिया का विलय पंजाब नेशनल बैंक में किया गया. वर्तमान में भारत में 19 राष्ट्रीयकृत बैंक हैं जबकि भारतीय स्टेट बैंक और इसके अनुषंगी बैंकों की संख्या 6 है. निजी क्षेत्र में 18 बैंक काम कर रहे हैं जबकि 2 और बैंकों को लाइसेंस प्रदान करने की घोषणा की गई है.

बैंकिंग भर्ती की प्रक्रिया

बैंकों में भर्ती के लिए एक संयुक्त लिखित परीक्षा का आयोजन बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) द्वारा किया जाता है. यह परीक्षा 19 सरकारी बैंकों में भर्ती के लिए वर्ष में 2 बार आयोजित की जाती है. भारतीय स्टेट बैंक अपने सहयोगी बैंकों के साथ अलग से परीक्षा का आयोजन करता है. एक परीक्षा में बैठने से आप कई बैंकों में रोजगार के पात्र बन सकते हैं. क्षेत्रीय बैंकों सहित सरकारी बैंकों के लिए आईबीपीएस एक संयुक्त ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन करता है जिसके बाद साक्षात्कार आयोजित किया जाता है. अजा/अजजा उम्मीदवारों को परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है. किसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में रोजगार के लिए स्थानीय भाषा की जानकारी भी अपेक्षित होती है. निजी क्षेत्र के अंतर्गत चयन के लिए कोई तय मानदंड या प्रक्रिया नहीं है. वह स्वयं की प्रक्रिया के जरिए भर्ती करते हैं. अनेक प्राइवेट बैंक आमतौर पर कैम्पस चयन को प्राथमिकता देते हैं.

बैंकों की श्रेणी और नाम

स्टेट बैंक और उसकी सहयोगी इकाइयां (स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर).

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक

इलाहाबाद बैंक, आंध्रा बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, पंजाब नेशनल बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, सिंडीकेट बैंक, यूको बैंक, युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, विजया बैंक, आईडीबीआई बैंक, भारतीय महिला बैंक.

निजी क्षेत्र के बैंक

कैथोलिक सीरियन बैंक, सिटी यूनियन बैंक, धनलक्ष्मी बैंक, फेडरल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, कर्नाटक बैंक, करूर वेश्या बैंक, लक्ष्मीविलास बैंक, नैनीताल बैंक, रत्नाकर बैंक, साउथ इंडियन बैंक, तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महेंद्र बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, येस बैंक.

(लेखक एक वरिष्ठ पत्रकार हैं.)